तापमान

भोपाल	14.0°	31.0°
इंदौर	14.0°	31.0°
जबलपुर	13.0°	31.0°
ग्वालियर	16.0°	32.0°
सागर	16.0°	32.0°

नईदुनिया

वर्ष- 80
(भोपालः वर्ष 41 अंक 343, पृष्ठ 12)
कार्तिक, शुक्ल तृतीया संवत् 2083
गुरूवार, 12 नवम्बर 2026
कीमतः 3:00 रुपये

www.naiduniaonline.com

भोपाल संस्करण

भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित



राजधानी... 19 नवंबर से सजेगा महिला हॉकी का महाकुंभ, छह...



व्यापार... भाई दूज के दिन फीकी पड़ी सोने की चमक, चांदी के भाव...



खेल... डब्ल्यूटीए फाइनल्सः लिंडा नोस्कोवा ने कोको गाफ ...



देश-विदेश... अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में रक्षा सचिव ...

स्वच्छ सर्वेक्षण में मध्य प्रदेश का जलवा, इंदौर-देपालपुर की जोड़ी देश में दूसरे स्थान पर

मप्र के 9 और छग के 3 शहरों को राष्ट्रीय सम्मान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के नतीजों में मध्य प्रदेश के कई शहरों ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। इंदौर और देपालपुर की जोड़ी ने देशभर में दूसरा स्थान हासिल किया है। वहीं, 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में जबलपुर देश का दूसरा सबसे स्वच्छ शहर बना है। देवास ने 50 हजार से 3 लाख तक की आबादी वाले शहरों में पहला स्थान प्राप्त किया है। रीवा को स्वच्छ रिवर फ्रंट टाउन श्रेणी में देश में प्रथम चुना गया है। बुधवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विजेता शहरों को राष्ट्रीय स्वच्छता पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव के साथ पुरस्कार ग्रहण किया।

पुराने कचरे के कारण भोपाल को नहीं मिला पुरस्कार : इस बार मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पुरस्कारों की सूची में जगह नहीं बना सकी। उपलब्ध आदमपुर खंती में पुराने कचरे यानी लिगेसी वेस्ट का समय पर निस्तारण नहीं होने के कारण शहर अंतिम रैंकिंग में स्थान हासिल नहीं कर पाया। स्वच्छता सर्वेक्षण की नई गाइडलाइन के तहत पुराने कचरे का पूरी तरह निस्तारण महत्वपूर्ण मानदंड है। इसी वजह से भोपाल को इस बार राष्ट्रीय सम्मान से वंचित रहा।



इंदौर के सहयोग से देपालपुर को मिली पहचान

स्वच्छ शहर जोड़ी पहल के तहत इंदौर ने देपालपुर को स्वच्छता व्यवस्था बेहतर बनाने में सहयोग दिया। इंदौर के अनुभव और मार्गदर्शन से देपालपुर में कचरा प्रबंधन, सफाई व्यवस्था और नागरिक सहभागिता को मजबूत किया गया। दोनों शहरों के संयुक्त प्रयासों के लिए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान मिला।

जबलपुर और देवास ने भी हासिल की उपलब्धि : 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में जबलपुर दूसरे स्थान पर रहा। वहीं, देवास ने 50 हजार से 3 लाख आबादी वाले शहरों में पहला स्थान हासिल किया। देवास को लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है।

रीवा और बुधनी को भी सम्मान : रीवा को स्वच्छ रिवर फ्रंट टाउन श्रेणी में देश में पहला स्थान मिला है। सागर को भी स्वच्छ सर्वेक्षण में राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ। वहीं, सीहोर जिले के बुधनी ने तीसरा स्थान हासिल किया।

छत्तीसगढ़ के तीन शहर भी सम्मानित : छत्तीसगढ़ के रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा को भी राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। समारोह में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और तोखन साहू उपस्थित रहे।

उज्जैन के बागड़िया टावर में भीषण आग



- धुएं से मची अफरा-तफरी; महिला-बच्चों समेत कई लोगों का रेस्क्यू

तीसरी मंजिल पर फंसे थे महिला और बच्चे

नईदुनिया ब्यूरो, उज्जैन : शहर के पुरानी कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित बागड़िया टावर में बुधवार शाम भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग टावर के निचले हिस्से में स्थित एमपी मेडिकल स्टोर में लगी थी। दुकान का शटर बंद होने के कारण धुआं वेंटिलेशन चैंबर के रास्ते ऊपरी मंजिलों तक फैल गया। दमकल की छह गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने और लोगों को सुरक्षित निकालने का अभियान शुरू किया।

धुआं भरने से शुरुआत में 10 से 15 लोगों के बिल्डिंग में फंसे होने की सूचना मिली थी। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। तीसरी मंजिल के फ्लैट नंबर 304 में रहने वाली पूनम चौरसिया अपने बेटे और अन्य लोगों के साथ फंस गई थीं। पूनम के मुताबिक, शाम करीब 4:30 से 5 बजे के बीच उनकी नींद खुली तो फ्लैट के बाहर और लिफ्ट के आसपास धुआं भरा हुआ था। सांस लेने में भी परेशानी हो रही थी। उन्होंने तत्काल पति को फोन कर सूचना दी। इसके बाद रेस्क्यू टीम ने फ्लैट में मौजूद पांच लोगों को सुरक्षित निकालकर टावर की छत पर पहुंचाया। करीब दो घंटे बाद सभी को नीचे उतारा गया।

आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि आग एमपी मेडिकल स्टोर में लगी थी और धुआं वेंटिलेशन चैंबर से ऊपर पहुंचा। कलेक्टर रोशन सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। प्रशासन के अनुसार, घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तबीयत बिगड़ी

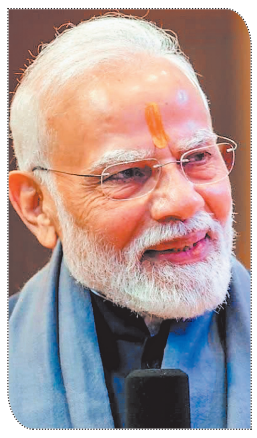
नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की बुधवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ गई। वह सुबह की सैर के दौरान बेहोश होकर गिर पड़े। कुछ मिनट तक बेहोश रहने के बाद उनके साथ मौजूद सुरक्षाकर्मी उन्हें पीसीआर वाहन से घर लेकर पहुंचे। शुरुआती चिकित्सा जांच के बाद उन्हें एंबुलेंस से दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ले जाया गया। 75 वर्षीय धनखड़ को एम्स के कार्डियो-न्यूरो सेंटर में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, आईएलबीएस की मेडिकल टीम और एम्स के डॉक्टर संदीप सेठ ने उनकी शुरुआती जांच कर जरूरी चिकित्सा सहायता दी। इसके बाद उनकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए अस्पताल में भर्ती कराने का निर्णय लिया गया।

मोदी कैबिनेट के 5 बड़े फैसले, मेट्रो और किसानों के लिए अहम् घोषणाएं

दिल्ली में बनेगा संग्रहालय

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में पांच प्रमुख फैसलों को मंजूरी दी गई। इनमें दिल्ली में विश्वस्तरीय संग्रहालय का निर्माण, नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो विस्तार, रबी सीजन के लिए उर्वरक सब्सिडी और उद्यमियों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन फैसलों की जानकारी दी।



नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो को मंजूरी

दूसरे फैसले के तहत नोएडा को ग्रेटर नोएडा से जोड़ने वाली 8.5 किलोमीटर लंबी मेट्रो रेल परियोजना को मंजूरी दी गई है। इससे दोनों शहरों के बीच सार्वजनिक परिवहन की सुविधा बढ़ेगी।

रबी सीजन के लिए 62,370 करोड़ की उर्वरक सब्सिडी

सरकार ने रबी सीजन के लिए 62,370 करोड़ की उर्वरक सब्सिडी को मंजूरी दी है। इससे किसानों को निर्धारित दरों पर खाद उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

3230 करोड़ रुपये से बनेगा युगे युगीन भारत संग्रहालय

कैबिनेट ने दिल्ली के नॉर्थ और साउथ ब्लॉक में युगे युगीन भारत संग्रहालय बनाने की मंजूरी दी है। इस परियोजना पर करीब 3230 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय होगा। इसमें भारत की हजारों वर्षों की सभ्यतागत यात्रा, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा। निर्माण के दौरान दोनों ऐतिहासिक इमारतों की मूल वास्तुकला सुरक्षित रखी जाएगी।

मुद्रा योजना के लिए 5000 करोड़ का फंड

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 5000 करोड़ रुपये के क्रेडिट गारंटी फंड को मंजूरी दी गई है। इसका उद्देश्य छोटे उद्यमों को कर्ज उपलब्ध कराने वाली संस्थाओं को गारंटी सहायता देना है, ताकि नए कारोबार और मौजूदा व्यवसायों को वित्तीय मदद मिल सके।

स्टैंड-अप इंडिया के लिए 4111 करोड़ का फंड

पांचवें फैसले के तहत स्टैंड-अप इंडिया योजना के लिए 4111 करोड़ रुपये के क्रेडिट गारंटी फंड को मंजूरी दी गई है। इससे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला उद्यमियों को कारोबार शुरू करने और आगे बढ़ाने के लिए ऋण सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

कीर्ति आजाद के बयान पर भड़की भाजपा

नई दिल्ली। भगवान श्रीराम और अयोध्या स्थित राम मंदिर को लेकर टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद की टिप्पणी पर राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। भाजपा ने उनके बयान को लेकर टीएमसी और विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष सनातन धर्म के प्रति नफरत की राजनीति कर रहा है। भंडारी ने कहा कि बंगाल की तरह उत्तर प्रदेश की जनता भी 'बाबर प्रेमियों' को सबक सिखाएगी।

'माखन की ताकत से भगवान कृष्ण ने कंस का वध किया'

मध्यप्रदेश में श्वेत क्रांति पर जोर : सीएम मोहन यादव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि दूध, दही, घी और मक्खन भारतीय खान-पान और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। भगवान श्रीकृष्ण का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, 'मक्खन की ताकत ही भगवान कृष्ण को कंस को घर में घुसकर मारने की शक्ति देती है।' उन्होंने यह बात नई दिल्ली में आयोजित भारत एग्रीकृचर कॉन्फ्रेंस 2026 में कही। इस दौरान उन्होंने अंडे और डेयरी उत्पादों को लेकर भी अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश देश का तीसरा सबसे बड़ा दूध उत्पादक राज्य है, लेकिन पशुओं की संख्या के अनुपात में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं। प्रदेश में उन्नत नस्ल की गायों और भैंसों के पालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। बैगा, भारिया और सहरिया जनजातियों के पात्र परिवारों को दो-दो दुधारू पशु उपलब्ध कराने की पहल भी की जा रही है।



खेती के साथ डेयरी और खाद्य प्रसंस्करण पर ध्यान

डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कृषि के साथ पशुपालन, डेयरी और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को जोड़ना जरूरी है। दूध, सब्जियों और अन्य कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण के लिए उद्योगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मालवा और निमाड़ के करीब छह लाख कपास उत्पादक किसानों का उल्लेख करते हुए उन्होंने प्रदेश में कपास से धागा और कपड़ा बनाने वाली इकाइयां स्थापित करने की योजना भी बताई।

सिंचाई का रकबा 100 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री के अनुसार, प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़कर 60 लाख हेक्टेयर हो गया है। सरकार इसे 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाना चाहती है। उन्होंने केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजनाओं को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने किसानों को दिन में 10 घंटे बिजली देने, प्राकृतिक खेती और बहुफसली खेती को बढ़ावा देने तथा कृषि भूमि के संरक्षण के लिए नए नियम बनाने की दिशा में काम करने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण का समन्वित विकास ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मददगार होगा।

कोलकाता में एयर इंडिया की फ्लाइट में हाईजैक अलर्ट



नईदुनिया ब्यूरो, कोलकाताः पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एयर इंडिया की मुंबई जाने वाली फ्लाइट में हाईजैक का अलर्ट मिला। विमान के पायलट ने कथित तौर पर 'हाईजैक' का संदेश भेजा था। विमान में 93 यात्री और पांच क्रू मेंबर सहित कुल 98 लोग सवार थे। सूचना मिलते ही एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विमान के शौचालय में धमकी भरा संदेश लिखा मिला था। इसके बाद हाईजैक की आशंका को देखते हुए सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किया गया। विमान को तत्काल आइसोलेशन बे में ले जाया गया, जहां केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और एयरपोर्ट के विशेष सुरक्षा अधिकारियों ने तलाशी अभियान शुरू किया।

सुरक्षा एजेंसियों ने विमान के अंदर यात्रियों के सामान सहित प्रत्येक हिस्से की बारीकी से जांच की। शुरुआती तलाशी में कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री मिलने की जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियां किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरत रही हैं।

गुजरात दंगों की यादों से भावुक हुई सोनिया गांधी, आत्मकथा में लिखा

मोदी को हटाने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ



नईदुनिया ब्यूरो, अहमदाबाद/नई दिल्लीः कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने अपनी आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव' में 2002 के गुजरात दंगों से जुड़ी कई घटनाओं का जिक्र किया है। उन्होंने अहमदाबाद के एक राहत शिविर में हुई घटना को अपने जीवन के सबसे पीड़ादायक अनुभवों में से एक बताया है। किताब में उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को पद से हटाए जाने की उम्मीद और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के फैसले का भी उल्लेख किया है।

राहत शिविर में पिता की गुहार ने झकझोरा

सोनिया गांधी के मुताबिक, गुजरात दंगों के बाद वह अहमदाबाद गई सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थीं। इस दौरान उन्होंने कई राहत शिविरों का दौरा किया, जहां हिंसा से प्रभावित महिला, पुरुष और बच्चे शरण लिए हुए थे। उन्होंने लिखा कि एक शिविर में बेहद कमजोर दिखने वाला व्यक्ति अपनी बेसुध बेटी को गोद में लेकर उनके पास आया। पिता ने बताया कि उसकी बेटी के साथ बार-बार दुष्कर्म किया गया है। वह रोते हुए मदद की गुहार लगा रहा था।

वाजपेयी से थी मोदी को हटाने की उम्मीद

सोनिया गांधी ने किताब में लिखा कि 2002 के दंगों के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से उम्मीद थी कि वह मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को पद से हटा देंगे, लेकिन पार्टी के भीतर दबाव के चलते ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि 2005 में अमेरिका, ब्रिटेन और कुछ यूरोपीय देशों ने मोदी को वीजा देने से इनकार किया था, जबकि प्रधानमंत्री बनने के बाद 2014 के पश्चात इन्हीं देशों में उनका सम्मान हुआ।

कुलगाम में सीआरपीएफ चेकपोस्ट पर आतंकियों की फायरिंग, तीन जवान घायल; एक की हालत गंभीर

नईदुनिया ब्यूरो, श्रीनगरः जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार को आतंकवादियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की जांच चौकी को निशाना बनाकर गोलीबारी की। इस हमले में तीन जवान घायल हो गए। इनमें से एक जवान की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और हमलावरों की तलाश के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, हमला कुलगाम जिले में मीर बाजार के पास दोपहर करीब 2:15 बजे हुआ। मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने सीआरपीएफ की जांच चौकी पर अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। गोलीबारी में एक जवान के पेट में गोली लगी, जबकि दो अन्य जवानों के हाथ और पैर में चोट आई है। घायलों को तत्काल अनंतनाग जिले के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। हमले के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने घटनास्थल के आसपास अतिरिक्त जवान तैनात कर घेराबंदी कर दी। हमलावरों की तलाश में अभियान शुरू किया गया है।

पाकिस्तान ने अमेरिकी डिपोर्टेशन विमान को नहीं दी अनुमति

इस्लामाबाद, एजेंसी : पाकिस्तान ने ईरानी नागरिकों को लेकर आ रहे अमेरिकी चार्टर विमान को अपने हवाई क्षेत्र से गुजरने और लैंडिंग की अनुमति देने से इनकार कर दिया। इसके बाद विमान को वापस अमेरिका लौटना पड़ा। विमान में नौ ईरानी नागरिक सवार थे, जिन्हें अमेरिकी प्रशासन निर्वासित कर ईरान भेजने की योजना बना रहा था। योजना के तहत इन लोगों को पहले पाकिस्तान लाया जाना था। इसके बाद उन्हें सड़क मार्ग से ईरान की सीमा तक पहुंचाकर वहां सौंपा जाना था। लेकिन पाकिस्तान की अनुमति नहीं मिलने के कारण यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। यह घटनाक्रम मंगलवार का बताया जा रहा है। अमेरिकी राज्य एरिजोना के मेसा से उड़ान भरने वाले चार्टर विमान को पाकिस्तान पहुंचना था। रिपोर्ट के मुताबिक, उड़ान भरने के करीब 30 मिनट बाद विमान ने अपना रास्ता बदल लिया और वापस उसी स्थान पर उतर गया, जहां से उसने उड़ान भरी थी। विमान के लौटने के बाद उसमें सवार ईरानी नागरिकों को उतार दिया गया।



अवशेष *ब्रिटिश अधिकारियों ने शोध के नाम पर जुटाए थे अवशेष, 39 अवशेषों को एक स्थान पर दफनाने की योजना*

100 साल बाद ब्रिटेन से भारत लौटे नागा पूर्वजों के 39 अवशेष

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के पिट रिवर्स म्यूजियम ने नागा समुदाय के 39 पूर्वजों के अवशेष 100 साल से अधिक समय बाद भारत को लौटा दिए हैं। इनमें ज्यादातर मानव खोपड़ियां शामिल हैं। इन्हें ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान नागा इलाकों से ब्रिटेन ले जाया गया था। 9 नवंबर 2026 को ऑक्सफोर्ड में आयोजित एक समारोह में संग्रहालय ने ये अवशेष नागा समुदाय के प्रतिनिधियों को सौंपे। संग्रहालय के रिकॉर्ड के अनुसार, ज्यादातर अवशेष 1910 से 1940 के बीच ब्रिटिश अधिकारियों जॉन हेनरी हटन और जेम्स फिलिप मिल्स के माध्यम से वहां पहुंचे थे। दोनों अधिकारी भारतीय सिविल सेवा में कार्यरत थे और नागा समुदाय की संस्कृति तथा जीवनशैली का अध्ययन करते थे। औपनिवेशिक दौर में कई समुदायों की वस्तुएं और मानव अवशेष शोध एवं प्रदर्शन के लिए संग्रहालयों में रखे जाते थे। पिट रिवर्स म्यूजियम ने स्वीकार किया है कि कुछ वस्तुएं सैन्य अभियानों के दौरान जबरन भी ली गई थीं। संग्रहालय के रिकॉर्ड में 1936 के पांग्शा अभियान का उल्लेख भी है।

हर खोपड़ी युद्ध की ट्रॉफी नहीं थी



नागा समुदाय के कुछ समूहों में पुराने समय में युद्ध के दौरान दुश्मनों के सिर को ट्रॉफी के रूप में रखने की परंपरा थी। हालांकि, समुदाय का कहना है कि लौटाए गए सभी अवशेषों को युद्ध की ट्रॉफी मानना गलत है। इनमें परिवारों और गांवों के प्रमुखों के अवशेष भी शामिल हैं, जिनसे लोगों का भावनात्मक और आध्यात्मिक जुड़ाव रहा है। नागा समुदाय के लिए ये अवशेष केवल संग्रहालय में रखी वस्तुएं नहीं, बल्कि उनके पूर्वजों की पहचान हैं। समुदाय के नेताओं का मानना है कि पूर्वजों को सम्मानपूर्वक अंतिम विदाई मिलनी चाहिए। सुमी होहो के अध्यक्ष डॉ. विहुतो असुमी के अनुसार, अवशेषों की वापसी से समुदाय को आध्यात्मिक शांति मिलेगी। योजना सभी 39 अवशेषों को एक संयुक्त स्मारक स्थल पर दफनाने की है।

2020 में शुरू हुई थी वापसी की प्रक्रिया

पिट रिवर्स म्यूजियम ने 2020 में मानव अवशेषों को सार्वजनिक प्रदर्शन से हटा दिया था। इसके बाद नागा समुदाय और संग्रहालय के बीच वापसी को लेकर बातचीत शुरू हुई। फोरम फॉर नागा रिकन्सिलिएशन, जनजातीय संगठनों, बुजुर्गों और अन्य संस्थाओं ने इस मांग को आगे बढ़ाया। जुलाई 2026 में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की काउंसिल ने 39 अवशेष लौटाने की मंजूरी दी थी। संग्रहालय के रिकॉर्ड में नागा समुदाय से जुड़े कुल 219 मानव अवशेष दर्ज हैं। इनमें 39 पूर्वजों के अवशेष और 178 ऐसी वस्तुएं शामिल हैं, जिनमें मानव बाल मौजूद हैं या होने की आशंका है।